ISSN : 2583-2948

मेरी नींद

अजय अक्स
डायरेक्टर – शिव स्टील फ़रीदाबाद
Ajayaks197690@gmail.com
मो॰ – 9999034868

आंखों से बहुत दूर बहुत दूर मेरी नींद
बिल्कुल तुम्हारे जैसी ही मगरूर मेरी नींद

जैसे कि तेरे ग़म से उभरना नही मुझे
जैसे कि मेरे जिस्म का नासूर मेरी नींद

जैसे किसी से भी तुम्हें करनी नही वफ़ा
यानी तुम्हारे जैसी ही मजबूर मेरी नींद

दुनिया समाज वक्त तेरी याद और तू
यानी किसी को भी नही मंजूर मेरी आंखों

यानी तेरे बग़ैर मुझे जानता है कौन
यानी तेरे बग़ैर है माज़ूर मेरी नींद

तेरे बग़ैर हो गया जीना मेरा मुहाल
तेरे बग़ैर हो गई काफ़ूर मेरी नींद

जैसे कि कोई वक्त पर आता नही है काम
जैसे कि तेरे शहर का दस्तूर मेरी नींद

चेहरे की तमकनत को तेरे ग़म ने पी लिया
आंखों को किए जाती है बेनूर मेरी आंखों